आड्रे हाउस में लगी एमएस सुब्बुलक्ष्मी के जीवन पर प्रदर्शनी

रांची | संवाददाता

भारतरत्न डॉ एमएस सुब्बुलक्ष्मी को जानने और समझने के इच्छुक हैं तो आप आड्रे हाउस पहुंच सकते हैं। एमएस सुब्बुलक्ष्मी, जिन्हें एमएस के रूप में जाना जाता है, जो भारत के महान शास्त्रीय संगीतकारों में से एक थीं, उनके जीवन पर आधारित फोटोग्राफिक प्रदर्शनी सोमवार को आड्रे हाऊस में शुरू हुई। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर विकास मंत्री सीपी सिंह और रांची विश्वविद्यालय के वीसी डॉ रमेश कुमार पांडेय ने किया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र रांची क्षेत्रीय शाखा की ओर से प्रदर्शनी लगाई गई है, जो 10 दिसंबर तक चलेगी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र क्षेत्रीय शाखा रांची के डॉ बच्चन कुमार ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने एमएस के बारे में बताया।

आड्रे हाउस में सोमवार से लगी डॉ एमएस सुब्बुलक्ष्मी के जीवन पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीपी सिंह व अन्य।

प्रदर्शनी में है एमएस की जीवनयात्रा

प्रदर्शनी में सुब्बुलक्ष्मी की जन्म, निविदा जीवन, संगीत करियर, पुरस्कार, उनके जीवन में महत्वपूर्ण व्यक्तियों के प्रभाव और सदाबहार गीतों के साथ-साथ उनकी संगीत यात्रा का चित्रण किया गया हैं। यहां कुल 87 फोटो के जरिए उनकी यात्रा को दर्शाया गया है। इस प्रदर्शनी को सबसे पहले स्व डॉ मंगलम स्वामीनाथन ने तैयार किया था, जिसमें वरिष्ठ फोटोग्राफर डीएनवीएस सीतारमैया ने सहयोग किया। मौके पर कार्यक्रम अधिकारी राकेश पांडेय, अनजानी कुमार सिन्हा, सुमेधा, बोलो कुमारी, चंदन प्रकाश आदि मौजूद थे।

> एमएस को जीवंत सुनने का सौभाग्य नहीं मिला, लेकिन मैं उनके संगीत का बड़ा प्रशंसक हूं। तिरुपति मंदिर में एमएस के भजनों को हमेशा सुना जाता है। युवा पीढ़ी उनके गाये हुए गीतों को जरूर सुनें।
>
> —डॉ रमेश कुमार पांडेय, वीसी, रांची विश्वविद्यालय

> एमएस सुब्बुलक्ष्मी का जीवन भारत की परंपरागत कला को समझने के लिए आगामी पीढ़ी के लिए महान प्रेरणा का काम करता है। उन्होंने शास्त्रीय संगीत को नया आयाम दिया।
>
> —सीपी सिंह, नगर विकास मंत्री, झारखंड

कौन हैं एमएस सुब्बुलक्ष्मी

एमएस सुब्बुलक्ष्मी महान शास्त्रीय संगीतकारों में से एक थीं। 16 सितंबर, 1916 को दक्षिण तमिलनाडु के मदुरई में उनका जन्म हुआ था। वह देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न और रमन मैगसेसे पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली भारतीय संगीतकार हैं। उनकी प्रस्तुति में भजा गोविंदम, विष्णु सहस्रनाम, हरि तुमा हरो और वेंकटेश्वर सुप्रभातम सबसे प्रसिद्ध हैं। एमएस का निधन 11 दिसंबर 2004 को हुआ था।

आड्रे हाउस में लगी फोटो प्रदर्शनी

शास्त्रीय गायिका सुब्बुलक्ष्मी की जीवनी पर आधारित

रांची। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र रांची क्षेत्रीय शाखा और संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की ओर से प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका भारत रत्न डॉ एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जन्मशती के अवसर पर आड्रे हाउस में चार से 10 दिसंबर तक उनके जीवन पर आधारित फोटो प्रदर्शनी लगायी गयी है। इस प्रदर्शनी में सुब्बुलक्ष्मी के जन्म, जीवन, संगीत कॅरियर, पुरस्कार,महत्वपूर्ण व्यक्तियों के प्रभाव और सदाबहार गीतों के साथ-साथ उनकी संगीत यात्रा प्रदर्शित की गयी है। प्रदर्शनी का उद्घाटन नगर विकास मंत्री सीपी सिंह ने सोमवार को किया। उन्होंने कहा कि एमएस सुब्बुलक्ष्मी भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का काम करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों से परंपरा और संस्कृति को अक्षुण्ण बनाये रखने में मदद मिलती है। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय ने कहा कि तिरूपति मंदिर में एमएस सुब्बुलक्ष्मी के भजनों को हमेशा सुना जाता है। उन्होंने युवा पीढ़ी से उनके गाये गीतों को सुनने की अपील की। प्रदर्शनी संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की ओर से एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जन्मशती के स्मरण में आयोजित की गयी है। भारत रत्न एमएस सुब्बुलक्ष्मी, जिसे एमएस के रूप में जाना जाता है। भारत के महान शास्त्रीय संगीतकारों में से एक थी। उनका जन्म 16 सितंबर 1916 को दक्षिण तमिलनाडु मदुरै में हुआ था। वह लोकप्रिय शास्त्रीय गायकों में से एक थीं। वह पहली भारतीय संगीतकार हैं जिन्हें भारत रत्न और रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी प्रस्तुति में भजा गोविंद, विष्णु सहस्त्रनाम, हरि तुमा हरो, वेंकटेश्वर सुप्रभातम को सबसे प्रसिद्ध माना जाता है। उनका निधन 11 दिसंबर 2004 को हुआ था। मौके पर क्षेत्रीय शाखा रांची के निदेशक डॉ बच्चन कुमार, डीएन वीएस सीतारमिया आदि उपस्थित थे।

उदघाटन के बाद उपस्थित लोग तथा उपस्थित लोगों को संबोधित करते सीपी सिंह।

Exhibition on life of MS Subbulakshmi unveiled

PNS ■ RANCHI

Urban Development Minister CP Singh today inaugurated a 'Photographic Exhibition on the Life of Bharat Ratna recipient Dr. M. S. Subbulakshmi (1916 – 2004)', being organized by Indira Gandhi National Centre for the Arts, Ranchi Regional Centre (IGNCA, RRC) from December 4 to 10 at Audery House, Ranchi.

The exhibition, curated by Late Dr. Mangalam Swaminathan, was set up by IGNCA, Ranchi Regional Centre under the the guidance of Dr. Bachchan Kumar, Regional Director, IGNCA, RRC and DNVS Seetharamaiah, Senior Photography Officer, IGNCA, New Delhi.

Minister CP Singh, who was the chief guest on the occasion, talked about the importance of traditional art and culture of India and how the lives of great legends like M.S. acts as a great inspiration for the upcoming generation. He appreciated Ministry of Culture, Government of India for taking significant steps to educate the masses about Indian classical musicians in general and Bharat Ratna M.S. Subbulakshmi in particular.

Dr. Kumar, Regional Director, IGNCA, RRC welcomed the guests and all the dignitaries present on the occasion. In his speech, he gave an introduction about the life of M.S and her contributions in the field of music.

Professor RK Pandey, Vice Chancellor, Ranchi University expressed his delight on being present on the inaugural ceremony of the grand event. He said, "I have not had the opportunity to listen to the Tapaswini (referring to M.S.) during a live concert, but I am a dedicated listener of her songs till date." He also said that IGNCA RRC has taken a great step towards cultural integration by spreading knowledge about the maestro, through this exhibition.

The exhibition, supported by Ministry of Culture is a part of the commemoration of the birth centenary of M.S. Subbulakshmi from September 16, 2016 to September 16, 2017.

The legend, M.S. Subbulakshmi, popularly known as MS, was one of India's greatest classical musicians. Born on September 16, 1916 at Madurai in south Tamil Nadu to the celebrated Veena maestro Smt. Shanmukhavadivu, MS was India's most critically acclaimed classical singers. She was the first Indian musician to receive the Bharat Ratna, country's highest civilian honour and the first Indian musician to receive the Ramon Magsaysay award, often considered as Asia's Nobel Prize. Her famous renditions of Bhajans include the chanting of BhajaGovindam, Vishnu Sahasranama (1000 names of Vishnu), Hari TumaHaro and the VenkateswaraSuprabhatam (musical hymns to awaken Lord Balaji early in the morning). The demise of the great legend occurred on 11 December, 2004.

भारत रत्न एमएस सुबलक्ष्मी पर आधारित चित्र प्रदर्शनी शुरू

नगर विकास मंत्री सीपी सिंह ने किया प्रदर्शनी का उदघाटन.

वरीय संवाददाता ▷ रांची

भारत रत्न एमएस सुबलक्ष्मी पर आधारित सात दिवसीय चित्र प्रदर्शनी कुरई ओनरम इलई सोमवार को ऑड्रे हाउस में शुरू हुआ. श्रीमती सुबलक्ष्मी के जन्म शताब्दी वर्ष पर आयोजित प्रदर्शनी में उनकी जीवनी और उपलब्धियों पर चित्र प्रदर्शित किये गये हैं. नगर विकास और आवास विभाग मंत्री सीपी सिंह ने चित्र प्रदर्शनी की शुरुआत की.

उन्होंने श्रीमती सुबलक्ष्मी को कर्नाटक संगीत का महान गायक बताया. प्रदर्शनी में श्रीमती सुबलक्ष्मी के पारिवारिक जीवन, गुरु का सान्निध्य, बेटी के साथ संगत और अन्य जानकारियां दी गयी हैं. चेन्नई, नयी दिल्ली के बाद रांची में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की रांची शाखा की तरफ से यह प्रदर्शनी आयोजित की गयी है. आठ दिसंबर को प्रदर्शनी परिसर में कर्नाटक म्यूजिक पर कंसर्ट भी आयोजित किया जायेगा. केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ बच्चन कुमार ने कहा कि कला संस्कृति मंत्रालय की तरफ से देश भर में एमएस सुबलक्ष्मी के जीवन पर चित्र प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है. इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रमेश कुमार पांडेय, पत्रकारिता विभाग की पूर्व निदेशक और साहित्यकार डॉ ऋता शुक्ला, राकेश पांडेय समेत अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे. प्रत्येक दिन सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक प्रदर्शनी आम लोगों के लिए खुली रहेगी.

Subbulakshmi birth centenary observed with photo exhibition

Debjani Chakraborty | TNN

Ranchi: A weeklong photography exhibition titled 'Kurai Onrum Illai (MS: Life in Music)' dedicated to the life and works of Bharat Ratna M S Subbulakshmi has been organised by the Indira Gandhi National Centre for the Arts, Ranchi Regional Centre (IGNCA, RRC) at the Audrey House here.

The exhibition, supported by the Union ministry of culture, is part of the commemoration of the birth centenary of the Carnatic music legend. Over sixty photographs with details given in lucid captions have been put up as a part of the photo exhibition and highlighted every aspect of the musical diva's life events. Most of the photographs have been sourced from newspaper archives and date back to the pre-Independence era.

The photographs document important events like her first UN concert, her meeting with Hellen Keller and the numerous charitable events she performed over the years. Snippets from her personal life were also included in anecdotes accompanying the photographs.

"I am an avid listener of M S Subbulkashmi and even though I have not had the opportunity to listen to the Tapaswini (referring to M.S.) in a live concert, I find this exhibition a great insight into the life of the musician who is an inspiration to many generations. IGNCA has taken a great step towards cultural integration by spreading knowledge about the maestro and I hope people will appreciate it," said Ranchi University vice-chancellor R K Pandey, who was present at the exhibition.

Subbulakshmi's film career, specially her portrayal of the Bhakti Saint Meera in both Tamil and Hindi cinema in the 40s, is also a major highlight of the exhibition.